VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
R N 30 DEC 2021 NO. 03
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1516)

Name of Candidate	AMAR MEENA		
Medium Hindi/Eng.	HINDI	Registration Number	27244
Center	ORN	Date	30/12/21

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
6(c)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

1. **(a)** Do laws need to be consistent with the prevalent moral norms? Discuss with examples. **(150 words) 10**

क्या कानूनों को प्रचलित नैतिक मानदंडों के अनुरूप होना चाहिए? उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

"किसी भी सभ्य समाज में कानून तथा नैतिक मानदण्ड परस्पर एक दूसरे के पूरक के तौर पर कार्य करते हैं न कि विरोधाभास के तौर पर।"
- महात्मा गांधी

कानूनों को प्रचलित नैतिक सिद्धांतों के अनुरुप होना चाहियें।

~~क्योंकि~~ उदाहरण के लिये रॉलेट एक्ट, 1919 एक अनैतिक कानून था। जिसमें बिना मुकदमें के संदिग्धों को सजा का प्रावधान था।

यदि कानून नैतिक न हो?

(1) जनता कानून का पालन नहीं करेगी।
(2) कानून निर्मात्री संस्था की वैधता पर खतरा।
(3) समाज में व्यापक अशांती फैलेगी।
(4) प्रशासनिक अधिकारीयों के बीच

नैतिक दुविधा। बढ़ेगी।

- परंतु कई बार कानून तात्कालीन नैतिकता के खिलाफ भी होते हैं लेकिन वे वैध होते हैं। उदाहरण के तौर पर हम विधवा पुनर्विवाह अधिनियम, 1856 को ले सकते हैं।

  - तात्कालीन धार्मिक नैतिकता के खिलाफ था।

  - किंतु इसे तब भी वैधता और व्यापक समर्थन मिला।

कारण - ① व्यापक मानव हित।
② समानता आधारित कानून।

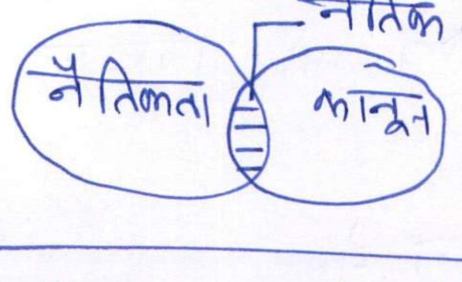

उदा. भ्रष्टाचार उन्मूलन अधिनियम 1988

~~उपरोक्त~~ निष्कर्षात्मक तौर पर हम कह सकते हैं, कानूनों की वैधता नैतिक मूल्यों से बढ़ती है और उनकी प्रभाविता पर भी नैतिक मूल्यों का सकारात्मक असर पड़ता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. **(b)**"People's indifference is the best breeding ground for corruption to grow". Comment. **(150 words) 10**

"लोगों की उदासीनता भ्रष्टाचार में वृद्धि के लिए सर्वाधिक अनुकूल परिस्थिति है।" टिप्पणी कीजिए।

भ्रष्टाचार से तात्पर्य "अपने पद का दुरूपयोग, किसी संस्था का दुरूपयोग, सरकारी कोष का दुरूपयोग, न्याय में बाधा पहुँचाना अथवा अपने स्वार्थ में कपटपूर्ण रिश्वत लेने से है।"

लोगों की उदासीनता से भ्रष्टाचार को लाभ :→

(1) सामाजिक स्वीकार्यता बढ़ती है।
(2) सरकारी कर्मचारीयों की जवाबदेहिता खत्म होती है
(3) शासन व्यवस्था का दोषपूर्ण अथवा अपंग हो जाना।
(4) पीडीतों को न्याय नहीं मिलता।
(5) लोकतंत्र हेतु खतरा।

उपरोक्त कारणों से हांग कांग ने एक व्यापक भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

"इंडिपेंडेंट एक्शन एगेंस्ट करप्शन"। इसमें सामाजिक जागरूकता तथा सामाजिक व्यवहार परिवर्तन द्वारा भ्रष्टाचार को मिटाया गया।

इसमें दूरदर्शन पर नाटकों, नुक्कड़, वीडियो गेम आदि द्वारा भ्रष्टाचार पर नकेल कसी गयी।

इसी प्रकार से अमेरिका में मिथ्या दावा अधिनियम द्वारा सामाजिक सहभागिता द्वारा भ्रष्टाचार से निपटा गया।

उपरोक्त प्रक्रियाओं के अतिरिक्त द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग (ARC) की सिफारिशों तथा विश्लेषण में सामाजिक जागरूकता भ्रष्टाचार निवारण की प्रमुख कड़ी है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(a)** In the context of COVID-19 pandemic, discuss the importance of Emotional Intelligence among healthcare workers. **(150 words) 10**

कोविड-19 महामारी के संदर्भ में, स्वास्थ्य कर्मियों के बीच भावनात्मक बुद्धिमत्ता के महत्व पर चर्चा कीजिए।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता से तात्पर्य "स्वयं की तथा दुसरों की भावनाओं को समझना, नियंत्रित करना तथा विशिष्ट परिणामों के लिये भावनाओं के निर्देशन करने से है"

स्वास्थ्य कर्मियों हेतु महामारी के दौरान बुद्धिमता का प्रयोग

(1) अपने कर्तव्यों के निर्वहन में :-

- परिवार जनों की चिंताओं को दूर करना। (आश्वस्त करके)
- स्वयं के भय से लड़ने में
- साथीयों (स्वास्थ्य कर्मीयों) को आत्मविश्वास दिलाने में।

(2) स्वयं कि निराशाओं और विफलताओं से लड़ने में

- मरीज़ों की असीमित संख्या

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ उच्च मृत्यु दर के बाद निराशा तथा उत्पन्न क्षोभ से लड़ने में।

(3) कार्यस्थल तनाव प्रबंधन :-
↳ साथी कर्मिकों की मनोबल बढ़ाना।
↳ मृतकों तथा मरीजों के परिजनों को सांत्वना देना व क्रोध शांत करना।

इस प्रकार भावनात्मक बुद्धिमता के द्वारा न सिर्फ स्वयं को वरन् अपने से मिलने वाले प्रत्येक व्यक्ति को संभाला जा सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(b)** It is the 'spirit of service' that motivates a public servant to serve the country's interests and address people's issues. Discuss. **(150 words) 10**

'सेवा की भावना' एक लोक सेवक को देश के हितों की पूर्ति और जन समस्याओं के समाधान हेतु प्रेरित करती है। चर्चा कीजिए।

"नर सेवा नारायण सेवा।"
-स्वामी विवेकानंद

लोक सेवक का तात्पर्य है जनता की ~~सेवक~~ सेवा करने वाला।

सेवा की भावना के कारण एक लोक सेवक स्वयं को जनता का नौकर समझता है मालिक नहीं। इसी से हमारा लोकतंत्र मजबूत होता है।

"परहित के उपकार करे तो ये मन अभिमान न आने रे...
वैष्णव जन तो तेने कहिये जे।"
- महात्मा गांधी

जनता तथा देश की सेवा में ही सदैव देश भक्त लगे रहते है तो देश का विकास संभव है।

- जनता के प्रति जवाबदेहिता बढ़ती है।
- जनता के प्रति संवेदनशीलता से जनता का लोकतंत्र में अधिक विश्वास आता है।

अतः लोक सेवकों की सेवा भावना से ही जनता की समस्याएं तथा राष्ट्र के हित साधे जाते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(a)** Ethics does its work in the world by granting and withdrawing legitimacy. Discuss in the context of role of ethics in international relations.

(150 words) 10

नैतिकता विश्व में वैधता प्रदान करने और वापस लेने के माध्यम से अपना कार्य करती है। अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में नैतिकता की भूमिका के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(b)** Sustainable growth of an organisation can result only by aligning its decisions to the interests of all stakeholders, not merely its shareholders. Do you agree? Justify with logical arguments. **(150 words) 10**

किसी संगठन का सतत विकास केवल सभी हितधारकों के हितों से अपने निर्णयों को संरेखित करने से ही हो सकता है, न कि केवल हितधारकों को जोड़ने से। क्या आप सहमत हैं? उचित तर्कों के साथ औचित्य सिद्ध कीजिए।

सतत विकास से तात्पर्य है कि "ऐसा विकास जो समान हो तथा सर्वदा हो। वर्तमान पीढ़ी से लेकर आने वाली पीढ़ियों तक।"

हितधारकों के निर्णयों के संरेखन के लाभ

① निर्णय निर्माण में सभी पक्षों की भागीदारी होती है।

② इससे (निर्णयों) की सफलता हेतु सभी पक्षों द्वारा सहयोग एवं प्रयास किये जाते हैं।

③ इससे जवाबदेहिता में वृद्धि होती है चूंकि सभी पक्ष सफलता चाहते हैं।

④ इससे 'टीम वर्क' तथा 'टीम स्प्रिट' की भावना का विकास होता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

उदाहरण के लिये "अमूल कॉपरेटिव"
"लिज्जत पापड" । ~~तथा ऑल इंडिया वर्किंग विमेन आर्गेनाइजेशन~~

हमें समझना चाहिये कि सामाहित ही सर्वहित है और सर्वहित ही शांती तथा सुख लाता है

"सर्वे भवंतु सुखिन:
सर्वे संतु निरामया।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु ।
मा कश्चिद् दु:ख भाग्भवेत।"

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(a)** Shri Lal Bahadur Shastri's life exemplifies value-driven public service of the highest order. What are the values one can learn from his life to be a good citizen and a good administrator? **(150 words) 10**

श्री लाल बहादुर शास्त्री का जीवन उच्चतम स्तर की मूल्य-संचालित सार्वजनिक सेवा का उदाहरण है। एक अच्छा नागरिक और एक अच्छा प्रशासक बनने के लिए उनके जीवन से कौन-से मूल्य सीखे जा सकते हैं?

स्व. श्री लाल बहादुर शास्त्री अपने सादा जीवन उच्च विचार के आदर्शों के कारण इतिहास में अमर हैं।

उनके जीवन से सीखे जा सकने वाले गुण

① सत्यनिष्ठा → वियतनाम युद्ध की आलोचना के कारण अमेरिका की भारत को (PL - गेहूँ) खाद्य निर्यात पर रोक की धमकी के बावजूद अपना बयान वापस नहीं लिया।

कठोर परिस्थितियों में सिद्धांतों पर अडिग रहे। (सत्यनिष्ठा)

② ईमानदारी → उन्हें 40 रु मासिक गृह भत्ता मिलता था जब पता चला कि श्रीमती शास्त्री 30 रु में घर चला रही हैं तब सरकार को 10 रु

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

वापस लौटा दिये।

③ समय निष्ठा - अपने दैनिक क्रिया कलाप करके हर रोज दफ्तर गये। कभी भी देर से नहीं गये।

④ नेतृत्व - पाकिस्तान से 1965 की जंग में खाद्य संकट के बावजूद सेना तथा राष्ट्र का मनोबल बढ़ाया। "जय जवान जय किसान।"

इस प्रकार हम शास्त्री जी के जीवन से सार्वजनिक तथा निजी जीवन हेतु अनेकानेक गुणों को सीख सकते हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(b)** There is a view that the institutional mechanisms to ensure accountability of civil servants have weakened over time. In this context, discuss the need of a social accountability law in India. **(150 words) 10**

यह विचार व्यक्त किया जाता है कि लोक सेवकों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए संस्थागत तंत्र समय के साथ कमजोर हो गया है। इस संदर्भ में, भारत में एक सामाजिक जवाबदेही कानून की आवश्यकता पर चर्चा कीजिए।

'नोलन समिति' के 7 प्रशासनिक गुणों में से एक जवाबदेहिता भी है।

भारत में लोक सेवकों की जवाबदेहिता का संस्थागत तंत्र :

1. कार्यपालिका
2. विधायिका
3. न्याय पालिका

संस्थागत तंत्र की कमजोरी के कारण

1. राजनीति का अपराधीकरण
2. लोक सेवकों द्वारा राजनैतिक पक्षपात करना
3. अप्रभावी विघटन होना
4. न्याय प्रणाली का अदक्ष होना
   3 करोड़ लंबित मामले।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सामाजिक जवाबदेही कानून की आवश्यकता

① समाज तथा जनता लोक सेवकों का बेहतर मूल्यांकन कर सकती है

② अंततः लोक सेवकों का कार्य है ही जन सेवा।

③ जनता ही लोक सेवाओं का उपयोग करती है अतः लोक सेवकों की जवाबदेहिता जनता के प्रति प्रत्यक्ष होनी चाहिये।

बहरहाल आवश्यकता है संस्थागत जवाबदेहिता में सुधार करने कि संविधान के अनुच्छेद 310 तथा 311 प्रदत्त उन्मुक्तियों को हटाये जाने की [द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग]

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) Why has anonymity of civil servants traditionally been seen as an important arrangement? In this context, discuss your opinion on the doctrine of facelessness in civil services. (150 words) 10

परंपरागत रूप से लोक सेवकों की अनामिकता को एक महत्वपूर्ण व्यवस्था के रूप में क्यों देखा गया है? इस संदर्भ में, लोक सेवाओं में अनामिकता के सिद्धांत पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

अनामिकता का सिद्धांत से तात्पर्य है "लोक सेवक कभी भी अपने कर्तव्यों के पालन के एवज में अथवा पूर्ति पर श्रेय लेने के लिये जनता के समक्ष नहीं आयेंगे।" अथवा "पर्दे के पीछे से गुमनामी में कार्य करेंगे।"

अनामिकता के सिद्धांत के कारण

1. लोक सेवकों का कार्य राजनेताओं के आदेशों की अनुपालना है अतः इनका अनामिकता का पालन करना उचित।
2. लोक सेवक राजनेताओं के प्रति जवाबदेह हैं। जनता के प्रति राजनेता जवाबदेह होते हैं
3. अनामिकता के सिद्धांत के कारण लोकतंत्र व व्यवस्था बनी रहती है वरना श्रेय लेने की होड़ राजनैतिक कार्यपालिका व लोकतंत्र हेतु बुरी है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपरोक्त कारणों से अनामिकता के सिद्धांत का महत्व पता चलता है। हालांकि आज के दौर में कई लोक सेवकों को सोशल मीडिया के द्वारा इसका लगातार उल्लंघन किया जा रहा है जो कि अनुचित परम्पराओं को जन्म दे रहा है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(b)** In the age of social media, influencers have a huge following and have gained prominent marketing roles. In this context, discuss the ethical issues involved in influencer marketing. **(150 words) 10**

सोशल मीडिया के दौर में, प्रभावशाली लोगों के फॉलोअर्स बहुत बड़ी संख्या में हैं और उन्होंने अग्रणी मार्केटिंग भूमिकाएं प्राप्त कर ली हैं। इस संदर्भ में, प्रभावशाली लोगों द्वारा मार्केटिंग में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

भारत में 35 करोड़ के तकरीबन इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं। ऐसे में सोशल मीडिया का महत्व बढ़ता जा रहा है।

प्रभावशाली लोगों द्वारा सोशल मीडिया मार्केटिंग में निहित मुद्दे

① उत्पादों के संदर्भ में - वे गुणवत्ता की जाँच के बगैर उत्पादों का प्रचार करते हैं।

② सोशल मीडिया द्वारा फॉलोअर्स के जाने बगैर वे उनके मत को प्रभावित करते हैं eg. ~~किसी~~ खास ब्रांड का पानी पीना आदि।

③ वे जनता में अपने प्रभाव का प्रयोग बिना उनकी जानकारी के धन कमाने में करते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सोशल मीडिया मार्केटिंग की बढ़ती उपयोगिता व दुरुपयोगों के चलते एक "सोशल मीडिया कोड आफ कंडक्ट" की आवश्यकता है ताकि गैर जिम्मेदाराना सोशल मीडिया आचरण विनियमित किया जा सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. What do each of the following quotations mean to you?

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिए क्या अर्थ है?

(a) Every man must decide whether he will walk in the light of creative altruism or the darkness of destructive selfishness. – Martin Luther King Jr. **(150 words) 10**

"प्रत्येक व्यक्ति को यह तय करना होगा कि वह रचनात्मक परोपकारिता के प्रकाश में चलेगा या विनाशकारी स्वार्थ के अंधेरे में।" -मार्टिन लूथर किंग जूनियर

"वैष्णव जन तो तेने कहिये
जे पीड पराई जाणे रे,
परहित के उपकार
करे तो मन अभिमान न
आणे रे।" - महात्मा गांधी

प्रत्येक व्यक्ति को जीवन भर यह चुनाव करने का अवसर मिलता है कि वह स्वयं से इतर दूसरों के विषय में सोचे और कार्य करे।

परोपकार में दूसरों का ही नहीं बल्कि स्वयं का भी हित होता है।

उदाहरण के तौर पर आज जलवायु परिवर्तन के दौर में विकसित

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

राष्ट्र यदि किसी विकासशील राष्ट्र में पर्यावरण संरक्षण हेतु दान देते हैं तो यह रचनात्मक दानशीलता सर्व विनाश से उन्हें भी बचायेगी।

अन्यथा विनाशकारी स्वार्थ ने हमें आज जलवायु परिवर्तन रूपी विनाश के सम्मुख ला खड़ा कर दिया है।

"परोपकाराय: पुण्याय:
पापाय: परपीडनम्।"

[परोपकार ही पुण्य है और दूसरों को पीड़ा पहुँचाना ही पाप है]

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. **(b)** Let us sacrifice our today so that our children can have a better tomorrow. – A.P.J. Abdul Kalam **(150 words) 10**

"आइए, हम अपने आज का बलिदान कर दें ताकि हमारे बच्चों का कल बेहतर हो सके।" - ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

~~हमें आज बलिदान करना होगा~~

संधारणीय विकास तथा आने वाले खुशहाल जीवन हेतु हमें अपने आज को त्यागना होगा।

'बलिदान के बगैर पूजा' गांधी जी के 7 पापों में से एक है

हमें आज हमारे स्वार्थों का त्याग करना होगा ताकि हमारे बच्चे एक सद्भावपूर्ण समाज में रहें।

हमें हमारी जातियों, धर्मों तथा नस्ल रूपी पहचानों को त्यागना पड़ेगा। ताकि किसी को किसी भेद भाव की शिकायत न रहे।

हमें हमारी संकीर्णताओं को त्यागना होगा ताकि अगली पीढ़ीयाँ उभार लें और एक चिरकालिक शांति पूर्ण जीवन जीयें।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. **(c)** I measure the progress of a community by the degree of progress which women have achieved. – B.R. Ambedkar **(150 words) 10**

"मैं एक समुदाय की प्रगति को उस डिग्री से मापता हूं जो महिलाओं ने हासिल की है।" -बी. आर. अम्बेडकर

~~अब~~ विकास का पैमाना किसी राष्ट्र की जी.डी.पी. नहीं बल्कि उसके मानव संसाधन होते हैं और अपने आधे संसाधनों (महिलाओं) को खो कर कोई भी राष्ट्र विकास नहीं कर सकता है।

रामायण में भी यही लिखा है "यत्र नारीयस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता।"

अर्थात् जहाँ नारीओं की पूजा होती है देवता वहीं निवास करते हैं।

महिलाओं के विकास का महत्व:

आर्थिक विकास → आय बढ़ती है
→ गरीबी घटती है।

सामाजिक → समानता बढ़ती है
→ महिलाओं का स्थान बेहतर होता है

नैतिक → महिलाओं का सम्मान
→ हिंसा की समाप्ति
→ समतापूर्ण समाज
→ अन्यायों की समाप्ति।

महिलायें पर्यावरण संरक्षण से लेकर नैतिकता की पथ प्रदर्शक रही हैं।

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

7. You are a young officer posted as the Sub Divisional Magistrate in a district which houses factories for making match boxes and fire crackers. It is brought to your notice that a large number of children are working in these hazardous activities. The government had previously released a notification that owners of these manufacturing units need to report on the profiles of their employees annually to prevent child labour. These manufacturing units, abiding by the directives of the government, publish such reports annually and claim to have successfully put an end to employment of child labour. However, there are reports that these units are taking advantage of loopholes in the law. They are using contractors to continue to indirectly hire children without them officially being on the payroll of the units. Families of these child labourers are poor and see this as an essential source of income. An influential local politician also owns some of these manufacturing units and is known to put pressure on the officers involved for not taking any action against child labour.

(a) Identify the stakeholders and ethical issues in this case.

(b) How would you approach the problem and what would be the main elements of your action?

(c) What medium to long-term measures will you propose to tackle the problem of child labour in the district? **(20)**

आप एक युवा अधिकारी हैं जो ऐसे जिले में अनुमंडल दंडाधिकारी के पद पर तैनात हैं, जहां माचिस और पटाखे बनाने की फैक्ट्रियां अवस्थित हैं। आपके संज्ञान में लाया गया है कि इन खतरनाक गतिविधियों में बड़ी संख्या में बच्चे कार्य कर रहे हैं। सरकार ने पहले एक अधिसूचना जारी की थी कि इन विनिर्माण इकाइयों के मालिकों को बाल श्रम को रोकने के लिए वार्षिक रूप से अपने कर्मचारियों की प्रोफाइल के संबंध में रिपोर्ट प्रस्तुत करना आवश्यक है। ये विनिर्माण इकाइयां, सरकार के निर्देशों का अनुपालन करते हुए, वार्षिक रूप से ऐसी रिपोर्ट प्रकाशित करती हैं और दावा करती हैं कि बाल श्रम के नियोजन को सफलतापूर्वक समाप्त कर दिया गया है। हालांकि, ऐसी खबरें हैं कि ये इकाइयां कानून की त्रुटियों का लाभ उठा रही हैं। वे ठेकेदारों का उपयोग बच्चों को बिना आधिकारिक तौर पर इकाइयों के पेरोल पर नियोजित करके उन्हें अप्रत्यक्ष रूप से कार्य पर रखने के लिए कर रही हैं। इन बाल मजदूरों के परिवार निर्धन हैं और इसे आय का एक अनिवार्य स्रोत मानते हैं। एक प्रभावशाली स्थानीय राजनेता भी इनमें से कुछ विनिर्माण इकाइयों का मालिक है और बाल श्रम के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं करने के लिए इसमें शामिल अधिकारियों पर दबाव बनाने के लिए जाना जाता है।

(a) इस प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) आप इस समस्या के प्रति क्या दृष्टिकोण अपनाएंगे और आपकी कार्यवाई के मुख्य तत्व क्या होंगे?

(c) जिले में बाल श्रम की समस्या से निपटने के लिए आप कौन-से मध्यम से दीर्घकालीन उपाय प्रस्तावित करेंगे?

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत के संविधान के अनुच्छेद-23 के तहत बाल श्रम करवाना मूल अधिकारों का उल्लंघन है।

बावजूद इसके भारत में ILO-2019 के अनुसार 1.29 करोड़ बच्चे किसी किसी प्रकार से बाल श्रमिक थे।

Ans7(A) (A) उपरोक्त प्रकरण में हित धारक :-

(1) भारत सरकार
(2) बच्चे
(3) गरीब परीवार
(4) ठेकेदार
(5) फैक्ट्रियों के मालिक
(6) स्थानीय नेता
(7) (स्वयं) अनुमंडल दण्डाधिकारी

उपरोक्त मामले में निहित नैतिक मुद्दे :-

(1) बाल श्रम बनाम गरीबी : चूंकि बाल श्रमिक बहुत गरीब परिवार से हैं ऐसे में बेरोजगार होना उनके लिये भुखमरी में जाना होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) कानून का पालन बनाम नैतिकता :-
चूंकि फैक्ट्रीयाँ कानून का पालन तो कर रहीं हैं लेकिन वे अनैतिक साधनों का प्रयोग कर रहीं हैं।

Ans 7 (B)

मैं इस समस्या के प्रति एक कठोर तथा गंभीर दृष्टिकोण अपनाना चाहूँगा।

प्रथम, तत्काल प्रभाव से बाल श्रम (निषेध) अधिनियम के तहत फैक्ट्रियों पर कार्यवाही तथा तालाबंदी।

दूसरा, तुरंत प्रभाव से बाल श्रमिकों का पुनर्वास तथा स्वास्थ्य जाँच।

तीसरा, श्रमिक परिवारों को ~~मुआ~~ रोजगार तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली द्वारा राशन सुनिश्चित करना।

चौथा, ठेकेदारों पर कानूनी कार्यवाही।

पाँचवा, बाल श्रमिकों हेतु स्कूलों में नामांकन करवाना।

Ans 7(c) बाल श्रम से निपटने के लिये दीर्घकालीन रणनीति :-

(1) गरीबी के दुष्चक्र को तोड़ना :-
- बेहतर प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधायें
- बेहतर पोषण सुविधायें
- बेहतर शिक्षा सुविधायें

(2) कौशल विकास कार्यक्रमों को चलाना।

(3) कृषि का आधुनिकीकरण करना।

(4) बेहतर योजना क्रियान्वयन करना ताकि अधिकतम लाभ प्राप्त हों।

(5) बेहतर जन जागरूकता का प्रसार।

(6) स्थानीय नेताओं तथा लोगों को बाल श्रम विरोध में शामिल करना।

(7) रोजगार के बेहतर व स्थानीय स्तर पर साधन प्रदान करना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

"बालक अपने परिवार की ही नहीं अपितु पूरे राष्ट्र की सम्पत्ति है। अतः यह राष्ट्र की जिम्मेदारी है की इनका अवस्था दुरुपयोग न हो" जस्टिस चंद्रचूड़

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Many states in India have experimented with prohibition of liquor at various times. However, it is common knowledge that many such states have a thriving illegal liquor industry. Moreover, it is ironical that while many political parties have prohibition prominently mentioned in their manifestos, it is politicians who distribute alcohol among voters during their election campaigns. This also gives rise to illicit liquor trade and many people lose their lives to it.

(a) What are the socio-economic problems that are widely attributed to alcoholism?

(b) Do you think prohibiting liquor creates more problems than it proposes to solve?

(c) Short of prohibition, what can be done to tackle the problem of rising alcoholism, particularly among the youth of the country? **(20)**

भारत में कई राज्यों ने अनेक बार शराबबंदी के प्रयोग किए हैं। हालांकि, यह सर्वविदित है कि इनमें से कई राज्यों में अवैध शराब उद्योग फल-फूल रहा है। इसके अतिरिक्त, यह विडंबना है कि जहां कई राजनीतिक दलों ने अपने घोषणा-पत्र में शराबबंदी का प्रमुखता से उल्लेख किया है, वहीं राजनेता अपने चुनाव अभियानों के दौरान मतदाताओं के बीच शराब बांटते हैं। इससे अवैध शराब के धंधे को भी बढ़ावा मिलता है और कई लोग इससे अपनी जान भी गंवा देते हैं।

(a) ऐसी कौन-सी सामाजिक-आर्थिक समस्याएँ हैं जिनका कारण व्यापक रूप से मद्यपान है?

(b) क्या आपको लगता है कि शराब पर प्रतिबंध लगाने से समस्याओं के समाधान की तुलना में अधिक समस्याएं उत्पन्न होती हैं?

(c) प्रतिबंध के अभाव में, विशेषकर देश के युवाओं में बढ़ती शराब की लत की समस्या से निपटने के लिए क्या किया जा सकता है?

संविधान का अनुच्छेद 47 लोक स्वास्थ्य तथा मद्यपान निषेध की वकालत करता है। बावजूद इसके भारत में प्रतिवर्ष 7507 लोग जहरीली शराब के सेवन से अकाल मारे जाते हैं।

ANS 8 (A) मद्यपान के कारण :-

सामाजिक कारण - (i) अशिक्षा - के कारण व्यक्ति अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

नहीं रखता है परिणाम स्वरूप मद्यपान में लग जाता है।

(ii) ~~बेरोजगारी~~ सामाजिक प्रतिष्ठा के ह्रास के कारण भी शराबखोरी बढ़ती है।

(iii) कुछ समाजों में मद्यपान की स्वीकार्यता होता। (iv) सामाजिक प्रभाव से मद्यपान करना।

आर्थिक कारक - (1) गरीबी के कारण मनुष्य में आत्मविश्वास कमजोर होता है। जिससे नशे का सहारा लोग लेने लगते हैं

(2) बेरोजगारी से उपजे अवसाद से भी लोग मद्यपान करने लगते हैं

(3) कई दफा लोग व्यापार (नशे का) बढ़ाने के लिये ग्राहकों को लुभाते हैं और नशे की लत लगवाते हैं

Ans 8 (B)

भारत में गुजरात, बिहार तथा लक्षद्वीप जैसे राज्यों ~~सब~~ में मद्यव्यापार निषेध है।

मद्यनिषेध के लाभ

(1) सरकार के उपलब्धता (सप्लाई) पर रोक के कारण मद्यपान में कमी होती है।

नुकसान

(1) शराब का व्यवसाय अंडरग्राउण्ड हो सकता है चूंकि **मांग पक्ष** की मांग बढ़ जाती है।

(2) शराब की तस्करी में बढ़ोतरी।

(3) अवैध शराब निर्माण उदाहरण चम्पारण में 2019 में जहरीली शराब से 137 लोगों की मृत्यु।

(4) सरकार को राजस्व की हानि।

Ans. 8(c) भारत में 65% आबादी युवा है और ऐसे में बढ़ती शराब की लत एक समस्या है।

उपाय

तात्कालिक — (i) शराब की गुणवत्ता पर कठोर नियंत्रण।

→ (ii) शराब पर करों को बढ़ाना।

→ (iii) शराब लाइसेंस व्यवस्था से कठोर नियंत्रण हटाना — ताकि उद्योग लाभदायक कम रह जाये।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ शराब को GST के दायरे में लाकर 'एक उत्पाद एक मूल्य' द्वारा तस्करी पर रोक लगाना।

दीर्घकालीन → (i) लोगों में जागरूकता सृजन।

(ii) नशा मुक्ति केंद्रों की स्थापना।

(iii) स्कूली शिक्षा में नैतिकता को अनिवार्य बनाना।

(iv) अवसाद तथा मनोवैज्ञानिकों की संख्या बढ़ाना ताकि लोग अवसाद में नशे के आदि न हो जाएं।

बहरहाल भारत की युवा आबादी को संभालना अत्यावश्यक है स्वास्थ्य सेवाएं मानसिक भी होनी चाहिये। ताकि युवाओं को नशे से बचाया जा सके।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. You are posted as a District Magistrate (DM) of a district where residents are facing the menace of stray dogs. Instances of dogs chasing two-wheelers, cyclists and attacking pedestrians are on the rise. Elderly persons as well as children are the worst-hit and recently, an 8 year old girl was severely injured by a pack of dogs. The perceived magnanimity of the problem and inaction from government authorities have prompted vigilante groups to cull dogs in mass numbers. However, local NGOs have come out against such a practice of mass culling and are calling for stringent action against those killing stray dogs.

(a) What are the ethical issues involved in the above case?

(b) As the DM, suggest short-term and long-term measures to tackle the above issue. **(20)**

आप एक ऐसे जिले के जिला मजिस्ट्रेट (DM) के रूप में तैनात हैं जहां के निवासी आवारा कुत्तों के खतरे का सामना कर रहे हैं। कुत्तों द्वारा दोपहिया वाहनों, साइकिल सवारों का पीछा करने और पैदल चलने वालों पर हमला करने की घटनाएं बढ़ रही हैं। बुजुर्गों के साथ-साथ बच्चे भी सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं और हाल ही में कुत्तों के एक झुंड ने एक 8 वर्ष की बच्ची को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। समस्या की कथित भयावहता और सरकारी अधिकारियों की निष्क्रियता ने निगरानी समूहों को बड़ी संख्या में कुत्तों को मारने के लिए प्रेरित किया है। हालांकि, स्थानीय गैर-सरकारी संगठन ने सामूहिक हत्या की इस तरह की प्रथा का विरोध किया है और आवारा कुत्तों को मारने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे क्या हैं?

(b) DM के रूप में, उपर्युक्त मुद्दे से निपटने के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक उपायों का सुझाव दीजिए।

भारत में बढ़ते शहरीकरण तथा घटते परिआवास के कारण मनुष्यों तथा जानवरों में टकराव के मुद्दे बढ़ते जा रहे हैं।

उपरोक्त मामले में हित धारक:-

(1) स्थानीय निवासी
(2) जिला प्रशासन
(3) NGO's
(4) निगरानी समूह
~~(5) कुत्ते तथा~~
(5) आवारा जानवर (कुत्ते)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Ans. 9 (a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे :→

(i) स्थानीय लोगों का जीवन बनाम कुत्तों का जीवन :-
चूंकि कुत्तों के हमलों से स्थानीय ~~नागरिकों~~ नागरिकों की जान-माल को खतरा उपजा है ऐसे में स्वयं की रक्षा हेतु उनका कुत्तों को मारना।
कुत्तों का भी स्थानीय इलाके में परिआवास है अत: उन्हें भी जीने का हक है।

(ii) स्थानीय निगरानी समूह बनाम NGO's :-
- स्थानीय समूहों ने कुत्तों की हत्या आत्म रक्षा में की।
- वहीं NGO's का मानना है यह निर्ममता थी।

(iii)

Ans. 9 (B)

उपर्युक्त मुद्दे हेतु अल्पकालिक उपाय

(i) कुत्तों को तुरंत किसी अन्य स्थान (शहर के बाहर अथवा जंगल) में छोड़ दिया जाये।

(ii) स्थानीय लोगों से तुरंत प्रतिहिंसा रोकने की अपील की जानी चाहिये।

(iii) तात्काल प्रभाव से दोषी निगरानी समूहों पर प्रतिबंध तथा उनके खिलाफ मुकदमे दायर किये जायें।

(iv) दोषी सरकारी अधिकारीयों (अकर्मण्यता) पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाये।

दीर्घकालिन उपाय

(1) आवारा पशुओं का बन्ध्याकरण कार्यक्रम चलाना।

(2) भारत की स्थानीय कुत्तों की प्रजातियों को गोद लेना तथा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

पालना।

③ आवारा कुत्तों के टीकाकरण अभियान चलाना।

④ विद्यालयी शिक्षा में पशु प्रेम जैसे विषय शामिल करना।

(5) कचरे का उचित निपटान करना तथा अवैध बूचड़खानों पर कार्यवाही करना।

⑥ समुदाय में पशु प्रेम का प्रसार तथा प्रचार करना।

"वैष्णव जन तो तेने कहिये जो पीड़ पराई जाणे रे ....।" तथा अहिंसा जैसे मूल्यों को धारण करना। हमें यह स्वीकारना होगा की पृथ्वी पर जीव-मात्र का अधिकार है सिर्फ मनुष्यों का नहीं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. You are a young officer posted as the Superintendent of Police (SP) in a district. You have received information that at a party some people were harassed by your subordinate police officer. On further inquiry, you came to know that two complaints have been filed – one by the police and the other by people who organised the party. According to the police, people had gathered without permission and were not following COVID-19 appropriate behaviour and social distancing norms. But on the other hand, the complaint filed by the party organisers says that police entered the private venue due to loud noise and harassed everyone at the party including women guests. According to them, your subordinate police officer even tore apart the document, which granted permission to organise the party. A video of this incident, showing your subordinate officer tearing off a document, is being widely circulated on social media platforms. Due to this, social activists want you to take strict action against your subordinate police officer.

(a) Identify the ethical issues in the case.

(b) What are the factors that can influence decision by competent authorities in such instances? Do you think mobilising public opinion through social media is a fair way to influence the decision in such cases?

(c) As the SP, what will be your course of action in this situation?

(20)

आप एक जिले में पुलिस अधीक्षक (SP) के रूप में तैनात एक युवा अधिकारी हैं। आपको सूचना मिली है कि एक पार्टी में आपके अधीनस्थ पुलिस अधिकारी ने कुछ लोगों को परेशान किया है। पूछताछ में, आपको ज्ञात होता है कि दो शिकायतें दर्ज की गई हैं - एक पुलिस द्वारा और दूसरी पार्टी का आयोजन करने वाले लोगों द्वारा। पुलिस के अनुसार, लोग बिना अनुमति के एकत्र हुए थे और वे कोविड-19 संबंधी उचित व्यवहार और सामाजिक दूरी के मानदंडों का पालन नहीं कर रहे थे। लेकिन दूसरी ओर पार्टी आयोजकों की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत में कहा गया है कि पुलिस अधिक शोर के कारण निजी स्थल में घुसी और महिला मेहमानों सहित पार्टी में शामिल सभी व्यक्तियों को परेशान किया। उनके अनुसार, आपके अधीनस्थ पुलिस अधिकारी ने उस दस्तावेज को भी नष्ट कर दिया, जिसमें पार्टी आयोजित करने की अनुमति दी गई थी। इस घटना का एक वीडियो, जिसमें आपके अधीनस्थ अधिकारी को एक दस्तावेज़ को फाड़ते हुए दिखाया गया है, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर व्यापक रूप से प्रसारित किया जा रहा है। इसके कारण सामाजिक कार्यकर्ता चाहते हैं कि आप अपने अधीनस्थ पुलिस अधिकारी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करें।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) ऐसे कौन-से कारक हैं जो ऐसे प्रकरणों में सक्षम अधिकारियों के निर्णयों को प्रभावित कर सकते हैं? क्या आपको लगता है कि सोशल मीडिया के माध्यम से जनमत जुटाना ऐसे प्रकरणों में निर्णय को प्रभावित करने का एक उचित तरीका है?

(c) SP के रूप में, इस स्थिति में आपकी क्या कार्रवाई होगी?

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपरोक्त मामला ~~से~~ अधिकारों के दुरुपयोग बनाम कानून के पालन का प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है।

उपरोक्त मामले में हितधारक :-

① पार्टी आयोजक
② पुलिस महकमा
③ अधीनस्थ पुलिस अधिकारी
④ सामाजिक कार्यकर्ता
⑤ जनता

Ans 10 (A) नैतिक मुद्दे :-

(i) कानून व्यवस्था बनाम अधिकारों का दुरुपयोग :-
चूंकि पुलिस <u>अधिक शोर</u> के कारण खुशी तथा मेहमानों को तंग किया।

(ii) ~~स्वास्थ्य~~ जन स्वास्थ्य बनाम अधिकार :-
पार्टी आयोजक जन स्वास्थ्य की अवहेलना कर रहे थे। जबकि अनुमति आयोजन की थी व्यवस्था से खिलवाड़ की नहीं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) पुलिस प्रशासन का मनोबल बनाम जन भावनायें –
चूंकि उल्लेखित पुलिस अधिकारी अपना कर्तव्य निर्वहन कर रहा था। ऐसे में उसे दंडित करना पुलिस विभाग का मनोबल तोड़ेगा।

Ans 10 (B)

[प्रकरणों में ~~अधिकारियों~~ के ~~का~~ निर्णयों को प्रभावित करने वाले कारक :-

(1) राजनैतिक दबाव
(2) जनता का दबाव
(3) अधिकारियों का दबाव
(4) अधिकार समूहों तथा दबाव समूहों द्वारा दबाव

[सोशल मीडिया द्वारा जनमत जुटाना अवैध है चूंकि :-

(1) समझौते की संभावनाओं को समाप्त करता है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

② एक पक्ष की सम्पूर्ण प्रतिष्ठा दाँव पर लग जाती है।

③ दोनों पक्ष अपनी बात नहीं रख पाते।

④ जनता भावुक होती है न्याय विशेषज्ञ नहीं।

⑤ जन अशांति अथवा हिंसा भड़क सकती है।

सोशल मीडिया की वैधता

① कई दफा न्याय नहीं मिलता।

② अधिकारियों तक सुगम पहुँच।

③ सकारात्मक दबाव से त्वरित कार्यवाही।

Ans 10 (c)

SP के रूप में मेरी कार्यवाही

प्रथम — प्रेस रिलीज जारी कर निष्पक्ष जाँच का आश्वासन दूंगा।

द्वितीय — संबंधित अधिकारी को मामले से हटा लूंगा तथा किसी अन्य निष्पक्ष अधिकारी को सौंपूगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

तृतीय ~~यह जानकारी~~, वीडियों में देखूंगा की COVID-19 दिशानिर्देशों की पालना यदि नहीं हुयी है तो उसी वीडियों को आधार बनाकर महामारी अधिनियम के तहत पार्टी आयोजकों पर मुकदमा पेश करूँगा।

चौथा जाँच रिपोर्ट आते ही मैं मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में चालान पेश करूँगा।

पुलिस की छवि संबंधी कदम:-

(1) हर थाने में पुलिस मित्र बनाना - स्थानीय व्यक्ति।

(2) पुलिस को और विनम्र तथा जन भावनाओं हेतु संवेदनशील बनाने की आवश्यकता पूरी करना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. As India's vaccination drive against the COVID-19 pandemic breaches the 100 crore inoculation mark, some of the most backward tribal districts of the country still remain unvaccinated. You are the new District Magistrate (DM) in one such tribal district. The vaccination drive has been unsuccessful in the district so far despite imminent threats of the virus. It is believed that the tribals of the district refuse to get vaccinated due to their personal beliefs regarding immunization. Further, the community doctor who works in geriatrics and has almost daily contact with members of the district, too has refused to be vaccinated based on his personal beliefs. This has made the people more adamant about their decision to remain unvaccinated. Additionally, rumours of a few deaths post-vaccination have spread in the district. There is also a high risk of rising cases in the nearby districts spilling over to your district. There is a dire need for assuaging the fear of people and extreme pressure on the administration to take action and conduct the vaccination drive smoothly.

(a) What are the ethical issues in the given case?

(b) As the DM in charge, what steps will you take to tackle the issues?

(c) Discuss how persuasion can be used to convince people to voluntarily get vaccinated. **(20)**

जहाँ कोविड-19 महामारी के विरुद्ध भारत का टीकाकरण अभियान 100 करोड़ टीकाकरण के बिंदु को पार कर गया है, वहीं देश के कुछ सबसे पिछड़े आदिवासी जिले अभी भी टीकाकरण से वंचित हैं। आप ऐसे ही एक आदिवासी जिले के नए जिलाधिकारी (DM) हैं। इस वायरस के आसन्न खतरों के बावजूद जिले में टीकाकरण अभियान अब तक असफल रहा है। ऐसा माना गया है कि जिले के आदिवासी टीकाकरण के संबंध में अपनी व्यक्तिगत मान्यताओं के कारण टीकाकरण से मना करते हैं। इसके अतिरिक्त, सामुदायिक चिकित्सक जो जराचिकित्सा में कार्य करता है और जिले के सदस्यों के साथ लगभग दैनिक संपर्क रखता है, ने भी अपनी व्यक्तिगत मान्यताओं के आधार पर टीकाकरण से मना कर दिया है। इसने लोगों को टीकाकरण से नहीं जुड़ने के अपने निर्णय के बारे में और अधिक अडिग बना दिया है। इसके अतिरिक्त, जिले में टीकाकरण के बाद कुछ मौतों की अफवाह प्रसारित हो गई। आपके जिले से आस-पास के जिलों में मामलों के बढ़ने और वहां से आपके जिले में इसके प्रसार का उच्च जोखिम बना हुआ है। लोगों के भय को शांत करने और प्रशासन पर कार्रवाई करने एवं टीकाकरण अभियान को सुचारू रूप से चलाने के लिए दबाव बनाने की अत्यधिक आवश्यकता है।

(a) दिए गए प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे क्या हैं?

(b) प्रभारी DM के रूप में, इन समस्याओं से निपटने के लिए आप क्या कदम उठाएंगे?

(c) चर्चा कीजिए कि लोगों को स्वेच्छा से टीकाकरण हेतु मनाने के लिए अनुनय का उपयोग कैसे किया जा सकता है।

टीकाकरण हिचक (vaccine hesitancy) विश्व भर के समुदायों में आम है। WHO के मुताबिक भारत में लगभग 21% जनसंख्या टीकाकरण के प्रति हिचक रखती है।

Ans 11 (A)

उपरोक्त मामले में निहित नैतिक मुद्दे :-

(1) मान्यताएं बनाम विज्ञान -
↳ स्थानीय लोगों की मान्यताओं में टीकाकरण अनुपयुक्त है।
↳ विज्ञान के हिसाब से आवश्यक।

(2) सार्वजनिक स्वास्थ्य बनाम स्वतंत्रता :-
↳ सार्वजनिक स्वास्थ्य हेतु टीकाकरण बहुत जरूरी है।
↳ जबकि टीका लगवाना या न लगवाना आदिवासीयों का मूल अधिकार है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ कर्तव्य बनाम चुनाव की स्वतंत्रता-

> DM के तौर पर मेरा कर्तव्य टीका-करण कार्यक्रम पूर्ण करवाना है।

> वहीं आदिवासीओं को विकल्पों के चयन की स्वतंत्रता संविधान प्रदत्त हैं

ANS 11 (B)

कदम

① समाज में टीकाकरण विरोध के कारणों का पता लगाना। कि वे किस श्रेणी में आते हैं

(i) धार्मिक पूर्वाग्रह

(ii) मृत्यु का भय

(iii) अन्य

② विरोध के कारणों के हिसाब से रणनीति बनाना।

③ स्थानीय भाषा में गीत तथा नाटकों का सहारा लेकर जागरूकता प्रसार करना।

④ स्थानीय आदिवासी चिकित्सकों (ओझा) आदि को साथ लेकर टीकाकरण प्रारंभ करना।
⑤ स्थानीय नेता राजनैतिक, धार्मिक धर्मों को विश्वास में लेकर उन्हें सर्वप्रथम सार्वजनिक टीके लगवाना।
⑥ टीकाकरण के बाद लोगों को सम्मानित करना।

ANS 11 ②

स्वैच्छिक टीकाकरण में अनुनय का प्रयोग :-
① स्थानीय भाषा में तार्किक बहस द्वारा मनाना।
② स्थानीय गीतों द्वारा प्रभावित करना फिर टीके के लिये मनाना।
③ स्थानीय नेताओं द्वारा अनुनय करवाना
④ (TINA - There is no alternative) कोई भी विकल्प नहीं है।

यह बात समझाना।

⑤ बड़े सामुदायिक बुजुर्गों की सहायता से लोगों को मनाना।

इस प्रकार लोगों के भ्रम तथा अंधविश्वासों से लड़कर टीकाकरण कार्यक्रम पूर्ण किया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. In India, there exists a huge gap between demand for organ transplants and available donors, both living and cadaver. Besides a lack of awareness on organ donation, the rise of non-communicable and lifestyle diseases, such as hypertension and diabetes have led to increased instances of organ failure, in turn putting even more pressure on the demand for vital organs. According to reports, an estimated four lakh people die in India every year waiting for an organ transplant. Other than the legal and administrative issues, there are various ethical issues related to organ donation and transplantation in India. Provide an account of these ethical issues in detail. Also, discuss how the gap between demand and supply of organs in India can be closed. **(20)**

भारत में अंग प्रत्यारोपण की मांग और उपलब्ध दाताओं, जीवित और मृत दोनों के मामलों में, के बीच एक व्यापक अंतराल विद्यमान है। अंगदान के बारे में जागरूकता की कमी के अतिरिक्त, गैर-संचारी और जीवन शैली से संबंधित रोगों जैसे कि उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह के बढ़ने से अंग विफलता के मामलों में वृद्धि हुई है, जिससे महत्वपूर्ण अंगों की मांग पर और भी अधिक दबाव पड़ा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत में प्रत्येक वर्ष लगभग चार लाख लोगों की अंग प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा में मृत्यु हो जाती है। कानूनी और प्रशासनिक मुद्दों के अतिरिक्त, भारत में अंग दान और प्रत्यारोपण से संबंधित विभिन्न नैतिक मुद्दे भी विद्यमान हैं। इन नैतिक मुद्दों का विस्तार से विवरण प्रस्तुत कीजिए। साथ ही, चर्चा कीजिए कि भारत में अंगों की मांग और आपूर्ति के बीच के अंतराल को कैसे समाप्त किया जा सकता है।

"अंगदान - महादान"; महर्षि दधिची ने अपने शरीर का दान वज्र बनाने के लिये कर दिया था। शायद भारत में अंगदान का यह प्राचीनतम उदाहरण है हालांकि इसके बावजूद भी आज भारत अंगदान हेतु मांग तथा आपूर्ति के अंतराल से जूझ रहा है इसी कारण-वश कमोबेश 4 लाख लोग प्रति वर्ष अपनी जान गँवा देते हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

अंगदान में निहित नैतिक मुद्दे :-

① सस्कृति तथा धार्मिक मान्यता न होना।
भारत में पुनर्जन्म की संकल्पना के कारण लोगों में अनिच्छा।

② निर्धनता के कारण लोगों द्वारा अंगपूर्ति रोपण तक पहुँच न होना।

③ धार्मिक तथा जातीय पूर्वाग्रहों का समाज में होना।

~~④ दाह संस्कार विधि तथा पारसियों में~~

④ (लिंग भेद) के कारण पुरुषों द्वारा माँग पक्ष में बना रहना जबकि महिलाओं को आपूर्ति पक्ष में रखना।

भारत में माँग व आपूर्ति को ठीक करने के उपाय :-

① समुदायिक चेतना में वृद्धि करना -
- TV ऐड
- फिल्में
- नुक्कड़ आदि।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

② अंगदान दाताओं हेतु पारदर्शी प्रक्रिया।

③ अंगदान की प्राचीन कहानियों का धार्मिक नेताओं द्वारा प्रचार।

④ सरकार द्वारा अंगदान कर्ताओं को कर छूट।

⑤ बड़ी हस्तीयों जैसे सिनेमा स्टार, आदि से अंगदान हेतु प्रचार करवाना।

⑥ स्कूली पाठ्यक्रम में अंगदान का महत्व पढ़ाया जाना।

हमें हमारी संस्कृति से सीखना चाहिये जिसमें "परोपकाराय: पुण्याय:, पापाय: परपीड़नम्।" जैसे सुंदर विचार अंगदान को भी परोपकार में गिनते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)